पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिले भारतीय विदेश सेवा 2017 बैच के प्रशिक्षु अधिकारी
देश का चित्र विदेश में कैसे रखेंगे यह अधिकारियों की कुशलता पर निर्भर होता है - श्री नाईक

लखनऊः 28 मार्च, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज भारतीय विदेश सेवा 2017 बैच के 7 प्रशिक्षु अधिकारियों ने इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शिष्टाचारिक भेंट की। राज्यपाल से मिलने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों में श्री प्रथित चरण मिश्रा, श्री वी0विजय पाण्डेय, सुश्री मणि अग्रवाल, सुश्री जूही राय, श्री पवन कुमार पाल, श्री हरीश कुमार, श्री राकेश कुमार तिवारी सहित उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी लखनऊ के अपर निदेशक श्री संजय कुमार सिंह यादव एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत का चित्र विदेशों में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के प्रदर्शन के आधार पर बनता है। सरकारी नौकरी में देश की सेवा करने की दृष्टि होनी चाहिए। विदेश सेवा से जुड़े अधिकारी का मुख्य कार्य परस्पर सम्पर्क और समन्वय करना होता है। देश में उद्योग बढ़ाने के लिए छोटी-छोटी बातों का भी विशेष महत्व होता है। विदेश सेवा के अधिकारी समय पर जानकारी प्राप्त करके देश को उससे अवगत कराये। भविष्य की संभावना की दृष्टि से कुछ नया करने पर विचार करें। लोगों को भी नजर आना चाहिए कि आप कुछ विशेष कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश का चित्र विदेश में कैसे रखेंगे यह अधिकारियों की कुशलता पर निर्भर होता है।

श्री नाईक ने उत्तर प्रदेश की विशेषता बताते हुए कहा कि 22 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश आबादी के लिहाज से विश्व के केवल तीन देशों से छोटा है। राजनैतिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश का अपना महत्व है क्योंकि प्रदेश ने अब तक देश को वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित नौ प्रधानमंत्री दिये हैं। इस वर्ष में सम्पन्न सभी राज्य विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में लगभग 15 लाख से ज्यादा छात्र/छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई जो इस बात का सूचक है कि उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षित मानव संसाधन है। व्यापार के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण है। रोजगार की तलाश में उत्तर प्रदेश के लोग अन्य प्रदेशों एवं देशों में गये हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इंवेस्टर्स समिट 2018 के आयोजन से यह सफल संदेश दिया है कि उत्तर प्रदेश का चित्र बदल रहा है।

राज्यपाल ने अपने बारे में बताते हुए कहा कि वे मुंबई से लगातार तीन बार विधायक और पांच बार सांसद रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए उन्होंने विदेशों में पेट्रोलियम में नवोनमेष विचारों को लेकर भारत की ओर से कई 'रोड शो' किये। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए रूस के सखालीन में 8 हजार करोड़, सूडान में 32 सौ करोड़ का निवेश तथा इराक के राष्ट्राध्यक्ष श्री सद्दाम हुसैन से भेंट करके चर्चा की जिसका भारत का आर्थिक लाभ भी हुआ। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को 'चरैवेति! चरैवेति!!' का मर्म समझाते हुए व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र भी बताये कि सदैव प्रसन्नचित रह कर मुस्कराते रहंे, दूसरों के अच्छे गुणों की प्रशंसा करें और अच्छे गुणों को आत्मसात करने की कोशिश करें, दूसरों को छोटा न दिखाये तथा हर काम को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें।

श्री नाईक ने सभी प्रशिक्षुओं से परिचय प्राप्त किया तथा अपनी पुस्तक व कार्यवृत्त की प्रति भेंट की। सुश्री जूही राय ने प्रशिक्षु अधिकारियों की ओर से राज्यपाल को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (123/39)